संख्या-312/2018/3049/22-2-2017-17(759)/2017

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 16 अप्रैल, 2018***

विषय:- आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी शिव कुमार पुत्र श्री शंकर निवासी जनपद-उन्नाव की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-41659/प्रोबेशन-3/फार्म-ए(एम-02.05.2017) दिनांक 20.11.2017 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी शिव कुमार पुत्र श्री शंकर, जो- मेहरबान खेडा, हाल मेथी टीकुर, थाना-माखी, जनपद-उन्नाव का रहने वाला है। बन्दी ने पूर्व में हुई हत्या का बदला लेने व पारिवारिक रंजिश में दिनांक 11.02.2001 को समय रात्रि लगभग 08-09 बजे 17 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर लाठी, कुल्हाडी, बन्दूक से सरजू, चन्द्रिका, सताना, मंगल एवं रामखेलावन सहित कुल 05 व्यक्तियों की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-228/2001 में भा0द0वि0 की धारा-148, 302/149 307/149,452,404 के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (ई0सी0एक्ट), उन्नाव के आदेश दिनांक 20.11.2004 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 11.04.2017 तक 16 वर्ष 01 माह 27 दिन की अपरिहार सजा तथा 20 वर्ष 03 माह 05 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी के 06 सहअभियुक्ता दोषमुक्त, 01 सहअभियुक्त किशोर अपचारी होने पर जमानत मुचलके पर रिहा, 01 सहअभियुक्त की मृत्यु हो चुकी है, 09 सहअभियुक्त कारागार में निरूद्ध हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। प्रोबेशन बोर्ड की आख्या में यह उल्लेख किया गया है कि बन्दी ने पूर्व में हुई हत्या का बदला लेने व पारिवारिक रंजिश में दिनांक 11.02.2001 को 17 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर लाठी, कुल्हाडी, बन्दूक से सरजू, चन्द्रिका, सताना, मंगल एवं रामखेलावन सहित कुल 05 व्यक्तियों की हत्या करने का जघन्यतम अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी का अपराध व्यापक रूप से समाज को प्रभावित करने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, अपराध करने में सक्षम होने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की पुष्टि जिला प्रोबेशन अधिकारी तथा समिति द्वारा

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

आख्या में की गयी है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, जनपदीय अधिकारियों द्वारा समयपूर्व रिहाई का किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी शिवकुमार पुत्र श्री शंकर को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- अतः उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि शिव कुमार (बन्दी संख्या-15133) पुत्र श्री शंकर निवासी जनपद-उन्नाव के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति शासन द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नकः यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-312/2018/3049(1)/22-2-2017 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- जिला मजिस्ट्रेट, उन्नाव।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, आदर्श कारागार, लखनऊ।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(कलाम मुहीउद्दीन)
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

शासनादेश सख्या-312/2018/3049/22-2-2017-17(759)/2017

दिनांक 16 अप्रैल, 2018 का संलग्नक

<u>सरकार के आदेश</u>

आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी शिव कुमार पुत्र श्री शंकर, जो- मेहरबान खेडा, हाल मेथी टीकुर, थाना-माखी, जनपद-उन्नाव का रहने वाला है। बन्दी ने पूर्व में हुई हत्या का बदला लेने व पारिवारिक रंजिश में दिनांक 11.02.2001 को समय रात्रि लगभग 08-09 बजे 17 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर लाठी, कुल्हाडी, बन्दूक से सरजू, चन्द्रिका, सताना, मंगल एवं रामखेलावन सहित कुल 05 व्यक्तियों की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-228/2001 में भा0द0वि0 की धारा-148, 302/149 307/149,452,404 के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (ई0सी0एक्ट), उन्नाव के आदेश दिनांक 20.11.2004 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 11.04.2017 तक 16 वर्ष 01 माह 27 दिन की अपरिहार सजा तथा 20 वर्ष 03 माह 05 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी के 06 सहअभियुक्ता दोषमुक्त, 01 सहअभियुक्त किशोर अपचारी होने पर जमानत मुचलके पर रिहा, 01 सहअभियुक्त की मृत्यु हो चुकी है, 09 सहअभियुक्त कारागार में निरूद्ध हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। प्रोबेशन बोर्ड की आख्या में यह उल्लेख किया गया है कि बन्दी ने पूर्व में हुई हत्या का बदला लेने व पारिवारिक रंजिश में दिनांक 11.02.2001 को 17 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर लाठी, कुल्हाडी, बन्दूक से सरजू, चन्द्रिका, सताना, मंगल एवं रामखेलावन सहित कुल 05 व्यक्तियों की हत्या करने का जघन्यतम अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी का अपराध व्यापक रूप से समाज को प्रभावित करने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, अपराध करने में सक्षम होने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की पुष्टि जिला प्रोबेशन अधिकारी तथा समिति द्वारा आख्या में की गयी है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, जनपदीय अधिकारियों द्वारा समयपूर्व रिहाई का किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी शिवकुमार पुत्र श्री शंकर को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है। उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार किये जाने का निर्णय लिया गया है।

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in